भारत सरकार
रसायन और उर्वरक मंत्रालय
उर्वरक विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 2242

जिसका उत्तर शुक्रवार, 1 अगस्त, 2025/10 श्रावण, 1947 (शक) को दिया जाना है।

उर्वरकों का घरेलू उत्पादन

2242. श्री नारायण तातू राणे:

क्या **रसायन और उर्वरक मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश में उर्वरक के घरेलू उत्पादन का ब्यौरा क्या है और उर्वरकों के घरेलू उत्पादन को बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं;
(ख) देश में रासायनिक उर्वरकों की मांग को पूरा करने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं;
(ग) क्या सरकार का देश में उर्वरकों के उत्पादन के लिए नए उर्वरक संयंत्र स्थापित करने का विचार है;
(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इन्हें कब तक स्थापित किए जाने की संभावना है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;
(ड.) क्या सरकार का महाराष्ट्र में ऐसा संयंत्र स्थापित करने का विचार है; और
(च) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

रसायन और उर्वरक मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्रीमती अनुप्रिया पटेल)

(क) से (ख): वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान देश में प्रमुख उर्वरकों के उत्पादन का ब्यौरा निम्नानुसार है:

वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान प्रमुख उर्वरकों का उत्पादन (आंकड़े एलएमटी में)					
वर्ष	**यूरिया**	**डीएपी**	**एनपीके**	**एसएसपी**	**कुल - प्रमुख उर्वरक**
2024-25	306.67	37.69	121.05	52.44	517.85

देश में यूरिया के स्वदेशी उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए, भारत सरकार ने प्रत्येक 12.7 लाख मीट्रिक टन प्रतिवर्ष क्षमता के नए अमोनिया-यूरिया संयंत्रों की स्थापना के लिए नामित पीएसयू की संयुक्त उद्यम कंपनी (जेवीसी) के माध्यम से फर्टिलाइजर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एफसीआईएल) की रामागुंडम (तेलंगाना), गोरखपुर (उत्तर प्रदेश), सिंदरी (झारखंड) और तालचेर (ओडिशा) इकाइयों तथा हिन्दुस्तान फर्टिलाइजर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचएफसीएल) की बरौनी (बिहार) इकाई को पुनर्जीवित करने का अधिदेश दिया है। रामागुंडम और गोरखपुर इकाइयों को क्रमशः दिनांक 22.03.2021 और दिनांक 07.12.2021 को शुरू कर दिया गया है। इसके अतिरिक्त, बरौनी और सिंदरी इकाइयों ने क्रमशः दिनांक 18.10.2022 और दिनांक 05.11.2022 को यूरिया उत्पादन शुरू कर दिया है। इन संयंत्रों ने देश में स्वदेशी यूरिया उत्पादन को 50.8 एलएमटी प्रति वर्ष बढ़ाया है। इस परियोजना के पूरा होने पर, देश में यूरिया का उत्पादन 25.4 एलएमटीपीए तक बढ़ जाएगा तथा इससे यूरिया के स्वदेशी उत्पादन को अधिकतम करने में मदद मिलेगी।

सरकार ने फास्फेटयुक्त और पोटाशयुक्त (पीएण्डके) उर्वरकों के लिए 1.4.2010 से पोषक-तत्व आधारित सब्सिडी (एनबीएस) नीति लागू की है। इस नीति के अंतर्गत, अधिसूचित पीएण्डके उर्वरकों पर उनमें निहित पोषक-तत्वों की मात्रा के आधार पर वार्षिक/द्विवार्षिक आधार पर सब्सिडी की एक नियत राशि उपलब्ध कराई जाती है। एनबीएस स्कीम के तहत, पीएण्डके उर्वरक मुक्त सामान्य लाइसेंस (ओजीएल) के तहत आते हैं और कंपनियां अपने कारोबारी उतार-चढ़ाव के अनुसार पीएण्डके उर्वरकों का आयात/उत्पादन करने के लिए स्वतंत्र हैं।

उर्वरकों के उत्पादन में आत्मनिर्भर बनने के लिए सरकार द्वारा निम्नलिखित उपाय किए गए हैं:

(i) अनुरोधों के आधार पर, उत्पादन को बढ़ावा देने और देश को उर्वरक उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से एनबीएस सब्सिडी स्कीम के तहत नई उत्पादन इकाइयों अथवा मौजूदा इकाइयों की उत्पादन क्षमता बढ़ाने को अहमियत दी गई/संज्ञान में लिया गया है।

(ii) उत्पादन को बढ़ावा देने और देश को उर्वरक उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से एनबीएस नीति के तहत शामिल किए गए पीएण्डके उर्वरकों की संख्या को बढ़ाया गया है जो वर्ष 2021 में 22 ग्रेड थी वर्तमान में बढ़ाकर 28 ग्रेड कर दी गई है। जोड़े गए 06 नए ग्रेड एनपीके 08-21-21, एनपीके 09-24-24, शीरे से प्राप्त पोटाश (पीडीएम) (0-0-14.5-0), मैग्नीशियम, जिंक, बोरॉन और सल्फर से संपुष्ट एनपीके 11-30-14, यूरिया-एसएसपी कॉम्प्लेक्स 5-15-0-10 और मैग्नीशियम, जिंक और बोरॉन से संपुष्ट एसएसपी 0-16-0-11 हैं।

(iii) मृदा को फॉस्फेटयुक्त अथवा 'पी' पोषक तत्व प्रदान करने हेतु एसएसपी, जो एक स्वदेशी रूप से उत्पादित उर्वरक है, के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए इस पर मालभाड़ा सब्सिडी, खरीफ, 2022 से लागू है।

(ग) से (च): वर्तमान में, नीचे दिए गए दो नए यूरिया संयंत्र देश में स्थापित किए जा रहे हैं। इस परियोजना के पूरा होने पर, देश में यूरिया का उत्पादन 25.4 एलएमटीपीए तक बढ़ जाएगा तथा इससे यूरिया के स्वदेशी उत्पादन को अधिकतम करने में मदद मिलेगी।

1. तालचेर, उड़ीसा में 12.7 एलएमटी प्रति वर्ष की क्षमता वाला कोयला-गैसीकरण आधारित नया यूरिया संयंत्र निष्पादन चरण में है।
2. केंद्रीय मंत्रिमंडल ने दिनांक 19.03.2025 को आयोजित अपनी बैठक में नई निवेश नीति, 2012 और 7 अक्टूबर, 2014 के इसके संशोधनों के तहत संयुक्त उद्यम (जेवी) के माध्यम से ब्रह्मपुत्र वैली फ़र्टिलाइज़र कारपोरेशन लिमिटेड (बीवीएफसीएल), नामरूप असम के मौजूदा परिसर के भीतर 12.7 लाख मीट्रिक टन (एलएमटी) वार्षिक यूरिया उत्पादन क्षमता के एक नए ब्राउनफील्ड अमोनिया-यूरिया कॉम्प्लेक्स की स्थापना के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। एक संयुक्त उद्यम कंपनी, असम वैली फर्टिलाइजर एंड केमिकल कंपनी लिमिटेड को दिनांक 25.7.2025 को निगमित किया गया है।

******